

दौड़भाग पुं. (देश.) दौड़ना तथा भागना दे. दौड़धूप।

दौड़ा दौड़ी स्त्री. (देश.) 1. तेजी से एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ 2. बिना रुके तेजी से आगे बढ़ना।

दौड़ाना स.क्रि. (देश.) 1. किसी को दौड़ने के लिए प्रेरित करना 2. किसी को कोई जल्दी का काम सौंप कर तेजी से भेजना 3. किसी को अकारण परेशान करना।

दौत्य वि. (तत्.) 1. दूत का कर्म पद या भाव, दूतत्व 2. दूत संबंधी, दूत का।

दौर पुं. (अर.) 1. चक्र 2. बारी 3. रुक-रुक कर बार-बार होने वाले कार्यों में से एक बार में होने वाला कार्य 4. समय का परिवर्तन, ऋतु चक्र 5. गर्दिश मुहा. दौर चलना- कई बार होना जैसे- कार्यक्रम में बैठकों के कई दौर चले।

दौर-दौरा पुं. (फा.) प्रभावशाली होने का भाव।

दौरा पुं. (अर.) 1. दौर 2. प्रशा. निरीक्षण, व्यवस्था या अपने कार्य के सिलसिले में अधिकारियों का कार्य-स्थल से कुछ समय के लिए बाहर जाना 3. आयु. किसी रोग का आकस्मिक रूप से तीव्र हो जाना जैसे- दिल का दौरा, पागलपन का दौरा 4. गर्दिश मुहा. दौरा सुपुर्द करना- मुकदमे को सुनवाई हेतु सेशन न्यायाधीश के पास भेजना।

दौरा कार्यक्रम पुं. (अर.+तत्.) प्रशा. अधिकारी के दौरे का तारीख एवं समयवार लिखित ब्योरा जिसमें कार्य के स्वरूप का भी विवरण होता है।

दौरात्म्य पुं. (तत्.) दुरात्मा होने का भाव, दुरात्मता, दुष्टता, दुर्जनता।

दौरा रिपोर्ट स्त्री. (अर.+अं.) अधिकारी द्वारा अपने दौरे के दौरान किए गए कार्यों एवं निष्कर्षों का लिखित विवरण।

दौर्बल्य पुं. (तत्.) दुर्बलता, कमजोरी (शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक)।

दौर्भाग्य पुं. (तत्.) दुर्भाग्य की स्थिति, भाग्य के खराब होने का भाव, दुर्दिन होने का भाव विलो. सौभाग्य।

दौर्मनस्य पुं. (तत्.) 1. मन के दुःखी होने का भाव, मानसिक पीड़ा 2. दुष्ट भाव, दृष्टता विलो. सौमनस्य।

दौर्हार्द पुं. (तत्.) दुर्हृद् अर्थात् शत्रु होने का भाव, शत्रुता विलो. सौहार्द।

दौलत स्त्री. (अर.) 1. धन-संपत्ति, चल-अचल संपत्ति, जागीर 2. ला. वस्तु जैसे- उत्तम स्वास्थ्य सबसे बड़ी दौलत है।

दौलतखाना पुं. (अर.+फा.) 1. धन-संपत्ति रखने का कक्ष 2. निवास-स्थान (सम्मानसूचक प्रयोग) टि. सामान्य शिष्टाचार में दूसरों के घर के लिए दौलतखाना और अपने घर के लिए गरीबखाना शब्द का प्रयोग होता है जैसे- आपका दौलतखाना कहाँ है।

दौलतमंद वि. (अर.+फा.) धनवान, दौलतवाला, धनी, रईस।

दौवारिक पुं. (तत्.) 1. द्वार से संबंधित, द्वार का 2. द्वार रक्षक, द्वारपाल, दरबान, द्वार रक्षण से संबंधित कर्मचारी या अधिकारी।

दौहित्र पुं. (तत्.) दुहिता (बेटी) का बेटा, धेवता, नाती, नवासा।

दौहित्रायण पुं. (तत्.) दौहित्र का पुत्र, पुत्री का पौत्र।

दौहित्री स्त्री. (तत्.) पुत्री की पुत्री, धेवती, नातिन, नवासी।

द्यवना स.क्रि. (तद्.) दिलाना उदा. मेरीऔ सुधि द्याइबो कछु करुन कथा चलाइ-तुलसी।

द्यावा-पृथ्वी (द्यावा-पृथ्वी) स्त्री. (तत्.) आकाश और पृथ्वी।

द्यु पुं. (तत्.) 1. दिवस, दिन 2. आकाश 3. स्वर्ग 4. अग्नि, आग 5. दीप्ति, चमक।

द्युचर वि. (तत्.) आकाश में चलने वाला पुं. 1. पक्षी, चिड़िया 2. चंद्र, मंगल आदि ग्रह।

द्यु-जय पुं. (तत्.) स्वर्ग-प्राप्ति।